अनुक्रमांक .....
नाम .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

901

2026
हिन्दी
(केवल प्रश्नपत्र)

801(FE)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

ii) यह प्रश्नपत्र दो खण्डों, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड – ब** में विभक्त है।

iii) **खण्ड – अ** में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट कलम से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें।

iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात् उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा व्हाइटनर का प्रयोग न करें।

v) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

vi) **खण्ड – ब** में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।

viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

UPBoardHub

खण्ड – 'अ'
बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

1. **'नीड़ का निर्माण फिर' के लेखक हैं** 1
(A) हरिभाऊ उपाध्याय (B) सुमित्रानन्दन पन्त (C) हरिवंशराय बच्चन (D) वृन्दावनलाल वर्मा

2. **'समय के पाँव' रचना की विधा है** 1
(A) जीवनी (B) कहानी (C) उपन्यास (D) संस्मरण

3. **कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना है** 1
(A) परिव्राजक की कथा (B) दीप जले शंख बजे (C) स्मृति की रेखाएँ (D) तूफानों के बीच

4. **'राजा भोज का सपना' कहानी के लेखक हैं** 1
(A) माधव राव सप्रे (B) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'
(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (D) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

5. **'चतुरसेन शास्त्री' द्वारा लिखा गया उपन्यास है** 1
(A) हृदय की प्यास (B) गोद (C) चित्रलेखा (D) गढ़कुण्डार

6. **'रीतिबद्ध' काव्यधारा के कवि हैं** 1
(A) घनानन्द (B) बोधा (C) मतिराम (D) आलम

7. **'छत्रसाल दशक' के रचयिता हैं** 1
(A) भूषण (B) केशवदास (C) बिहारी (D) पद्माकर

8. **'स्वर्णयुग काल' कहा जाता है** 1
(A) 'द्विवेदी-युग' को (B) 'प्रगतिवाद' युग को (C) 'नई कविता' युग को (D) 'भारतेन्दु' युग को

9. **'देव' की रचना है** 1
(A) पद्माभरण (B) भावविलास (C) रामचंद्रिका (D) गंगा लहरी

10. **महादेवी वर्मा की काव्य-रचना है** 1
(A) वीणा (B) समर्पण (C) नीरजा (D) झाँसी की रानी की समाधि पर

UPBoardHub

11. **'करुण' रस का स्थायी भाव है** 1
(A) क्रोध (B) रति (C) शोक (D) हास

12. **'उपमेय में उपमान की सम्भावना' को कहते हैं** 1
(A) रूपक अलंकार (B) उपमा अलंकार (C) उत्प्रेक्षा अलंकार (D) भ्रान्तिमान अलंकार

13. **'सोरठा' छन्द के दूसरे और चौथे चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ?** 1
(A) 11 (B) 13 (C) 16 (D) 24

14. **'षडानन' में समास है** 1
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व (C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

15. **'इन्द्र' का पर्यायवाची है** 1
(A) तटिनी (B) तरिणी (C) सुरपति (D) सुरसरि

16. **'अज्ञान' में उपसर्ग है** 1
(A) अज्ञ (B) अ (C) अन (D) अप

17. **'युष्मद्' का सप्तमी विभक्ति, एकवचन का रूप है** 1
(A) त्वयि (B) त्वत् (C) युवयोः (D) युष्मासु

18. **'रचना' के आधार पर वाक्य के भेद होते हैं** 1
(A) 8 (B) 3 (C) 2 (D) 6

19. **'वह खेलेगा' वाक्य का भाववाच्य वाक्य होगा** 1
(A) वह खेलता है। (B) उसने खेल खेला।
(C) मेरे द्वारा खेल खेला जायेगा। (D) उसके द्वारा खेला जायेगा।

20. **क्रियाविशेषण अविकारी पद के भेद हैं** 1
(A) 4 (B) 6 (C) 8 (D) 5

UPBoardHub

खण्ड – 'ब'
वर्णनात्मक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $3 \times 2 = 6$

विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाये, उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया। विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों में हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचायेंगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे, तब वे हमें उत्साहित करेंगे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) विश्वासपात्र मित्र को जीवन की औषधि क्यों कहा गया है ?
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है। उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है। पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक हो जायेगा और आज जो तरुण हैं वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे। उनके स्थान पर तरुणों का दूसरा दल आ जायेगा, जो भविष्य का स्वप्न देखेगा। दोनों के ही स्वप्न सुखद होते हैं क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) प्रस्तुत गद्यांश में प्रगतिशीलता से क्या तात्पर्य है ?

2. **निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** $3 \times 2 = 6$

रानी मैं जानी अजानी महा, पबि पाहन हूँ ते कठोर हियो है॥
राजहु काजु अकाजु न जान्यो, कह्यो तियको जेहि कान कियो है॥
ऐसी मनोहर मूरति ए, बिछुरे कैसे प्रीतम लोग जियो है॥
आँखिन में, सखि ! राखिबे जोगु, इन्हें किमि कै वनवासु दियो है॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) पद्यांश में 'ऐसी मनोहर मूरति ए' किसके लिए प्रयुक्त है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

UPBoardHub

चल अंचल में झार-झार झरते
पथ में जुगनू के स्वर्ण फूल,
दीपक से देता बार-बार
तेरा उज्ज्वल चितवन-विलास !
रूपसि तेरा घन-केश-पाश !

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) उपर्युक्त कविता में प्रयुक्त 'घन-केश-पाश' का अर्थ लिखिए।

3. **निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** 2 + 3 = 5

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयं विमलसलिलतरङ्गाया: गङ्गाया: कूले स्थिता। अस्या: घटानां वलयाकृति: पङ्क्ति: धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिता: पर्यटका: सुदूरेभ्य: देशेभ्य: नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्या: घटानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

अथवा

'ऐष: संवाद:' इति श्रुत्वा सर्वे मयूरा: नृत्यमुद्रायां स्थिता: अभवन्। तदा एक: काक: अवदत् – 'भो मयूर ! अलमतिनृत्येन। किं न पश्यसि यत् अहं पक्षीराज: काक: ?'

4. **निम्नलिखित संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** 2 + 3 = 5

किंस्विद् गुरुतरं भूमे: किंस्विद् उच्चतरं च खात्।
किंस्विद् शीघ्रतरं वातात् किंस्विद् बहुतरं तृणात्॥

अथवा

कोकिल ! यापय दिवसान् तावद् बिरसान् करील विटपेषु।
यावन्मिलदलिमाल: कोऽपि रसाल: समुल्लसति ॥

UPBoardHub

5. **स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :** $1 \times 3 = 3$

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग (राम-भरत मिलन) का कथानक लिखिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक भरत का चरित्रांकन कीजिए।

(ग) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध तथा लक्ष्मण मूर्च्छा' सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रतिनायक मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'संकल्प' सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'आयोजन' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के 'पृथ्वीराज' सर्ग का कथानक लिखिए।
(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'भामाशाह' का चरित्रांकन कीजिए।

(ज) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर 'सुभाष चन्द्र बोस' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

UPBoardHub

6. **(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80)** **3 + 2 = 5**

(i) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80) **3 + 2 = 5**

(i) सूरदास (ii) माखनलाल चतुर्वेदी

(iii) महादेवी वर्मा

7. **अपनी पाठ्यपुस्तक के संस्कृत खण्ड की पाठ्यवस्तु से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो।** **2**

8. **विद्यालय में खेल-कूद की सामग्री हेतु ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।** **4**

अथवा

अपने मुहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :** **1 + 1 = 2**

(i) कर्मवीराणां संस्कृतिः का ?

(ii) वाराणसी केषां संगमस्थली अस्ति ?

(iii) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?

(iv) सुवर्णस्य किं मुख्यं दुःखम् ?

10. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : (अधिकतम शब्द सीमा 200)** **1 × 7 = 7**

(i) हमारे जीवन में विज्ञान का महत्व

(ii) पर्यावरण प्रदूषण-कारण और बचाव

(iii) नारी सशक्तीकरण

(iv) राष्ट्रीय एकता

(v) भारत में आतंकवाद : समस्या और समाधान।

UPBoardHub